Faculty of Humanities and Social Sciences

Scheme of Examination and Syllabus for Under Graduate Programme

Under Multiple Entry and Exit, Internship and CBCS-LOCF as per NEP-2020
w.e.f. session 2024-25 (in phased manner)

Subject: Sanskrit

Guru Jambheshwar University of Science &Technology
Hisar-125001, Haryana

(A+ NAAC Accredited State Govt. University)

Guru Jambheshwar University of Science and Technology
Hisar-125001, Haryana
('A+' NAAC Accredited State Govt. University)

Scheme of Examination & Syllabus for affiliated Degree Colleges for UG Programme
According to National Education Policy-2020

Subject: Sanskrit

SEMESTER-I								
Type of Course	**Course Code**	**Nomenclature of Paper/Course**	**Credits**	**Contact Hours**	**Internal Marks**	**External Marks**	**Total Marks**	**Duration of Exam (Hrs)**
Discipline Specific Course	C24SKT101T	संस्कृत चयनिका पद्यभाग 1-12	4	4	30	70	100	3
Minor Course/ Vocational Course	C24MIC122T	वर्णोच्चारण- शिक्षा, संस्कृत चयनिका -पद्यभागं(1-10) च	2	2	15	35	50	2
Minor Course/ Vocational Course#	**C24MIN122T**	वर्णोच्चारण- शिक्षा, संस्कृत चयनिका -पद्यभागं **(1-10)** च	**4**	**4**	**30**	**70**	**100**	**3**
Multidisciplinary Course	C24MDC127T	संस्कृत साहित्ये राष्ट्रवाद:, यज्ञ प्रक्रियाया: वैज्ञानिकाधारश्च	3	3	25	50	75	2.5
Skill Enhancement Course	C24SEC121T	संस्कृत सम्भाषणम्	3	3	25	50	75	2.5
Value Added Course	C24VAC120T	प्रारंभिक संस्कृत भाषा ज्ञानम्	2	2	15	35	50	2
SEMESTER-II								
Type of Course	**Course Code**	**Nomenclature of Paper/Course**	**Credits**	**Contact Hours**	**Internal Marks**	**External Marks**	**Total Marks**	**Duration of Exam(Hrs)**
Discipline Specific Course	C24SKT201T	संस्कृत चयनिका गद्यभाग 1-18	4	4	30	70	100	3
Minor Course/Vocational Course	C24MIC222T	वर्णोच्चारण- शिक्षा, संस्कृत चयनिका –गद्यभाग: च (1-10)	2	2	15	35	50	2
Minor Course/ Vocational Course#	**C24MIN222T**	वर्णोच्चारण- शिक्षा, संस्कृत चयनिका –गद्यभाग: च **(1-10)**	**4**	**4**	**30**	**70**	**100**	**3**
Multidisciplinary Course	C24MDC227T	योगायुर्वेदश्च	3	3	25	50	75	2.5
Skill Enhancement Course	C24SEC221T	प्रयोगात्मकं संस्कृतम्	3	3	25	50	75	2.5
Value Added Course	C24VAC120T	प्रारंभिक संस्कृत भाषा ज्ञानम्	2	2	15	35	50	2

for Scheme C only

Program Outcomes:

PO1 संस्कृत भाषा एक समृद्ध भाषा है। विद्यार्थी, हिंदी आदि भाषाओं के साथ संस्कृत भाषा को भी समझ पाएंगे। संस्कृत के माध्यम से प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति, धर्म, सामाजिक जीवन के बारे में जानने का एक माध्यम है। सामान्य डिग्री पाठ्यक्रमों के शैक्षणिक कार्यक्रम न केवल पेशेवर कौशल के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, बल्कि विभिन्न संस्कृत ग्रंथों के माध्यम से 'भारत की समृद्ध विरासत और गतिशील प्रचलित परिदृश्य पर गहरी समझ भी विकसित करते हैं।

PO2 छात्र बातचीत में भाग लेने के कौशल का प्रदर्शन करेंगे जो सहयोग के साथ ज्ञान का निर्माण करता है।

PO3 वेद, दर्शन, व्याकरण, काव्य, धर्मशास्त्र आदि जैसे संस्कृत साहित्य की बहु-विषयक प्रासंगिकता की उचित समझ विकसित होगी।स्नातक बनने के बाद छात्र यूपीएसई, एचसीएस आदि के क्षेत्र में आवेदन कर सकते हैं और स्नातकोत्तर के बाद भी वे स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षण पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

Sanskrit

संस्कृत चयनिका पद्यभाग 1-12 (Semester I)

Discipline Specific Course (DSC)

Course Code: C24SKT101T | **External Marks : 70**
60 Hrs. (4 Hrs./Week) | **Internal Marks : 30**
Credit : 4 | **Total Marks: 100**
Exam Time: 3 Hrs.

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 3 hours. The examiner is required to set nine questions in all. The first question will be compulsory consisting of seven short questions covering the entire syllabus consisting of 2 marks each. In addition to that eight more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt five questions in all selecting one question from each unit in addition to compulsory Question No. 1. All questions shall carry equal marks.

उद्देश्य:- इसका उद्देश्य छात्रों में संस्कृत भाषा एवं साहित्य के प्रति समझ बढ़ाना ताकि वह इसे अन्यान्य विषयों के साथ जोड़कर अपने ज्ञान को स्थिरता प्रदान कर पाए । संस्कृत भाषा में लिखित साहित्य का सामान्य ज्ञान तथा नीति संबंधी व्यवहारिक पक्ष को भी सिखाना ताकि वे समाज में एक जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

Unit – I

संस्कृत चयनिका

(क) पद्यभाग : 1 – 6 पाठ

(ख) सार

Unit – II

संस्कृत चयनिका

(क) पद्यभाग : 7 – 12 पाठ

(ख) सार

Unit - III

संस्कृत व्याकरण

(क) शब्दरूप : बालक, कवि, साधु, पितृ, मातृ, फल, मति |

(ख) धातुरूप : भू, पठ्, स्था,लभ् ,याच्, प्रच्छ|
(केवल लट् लकार, लोट् लकार, लङ् लकार, विधिलिङ्, लट् लकार)

Unit – IV

स्वरसंधि

(क) श्रीमद् भगवद्गीता से कंठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन |
(प्रश्नपत्र में पूछे गए श्लोकों से भिन्न)

Books Suggested:

1. संस्कृत चयनिका, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।
2. अनुवाद चंद्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3. रचनानुवाद कौमुदी, कपिल देव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
4. रूप, सं. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बासुर भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2016 ।

Course Outcome:

At the end of the course, the students would be able to:

CO1 संस्कृत चयनिका में संकलित श्लोकों के माध्यम से छात्र, न्याय एवं नीति से सामाजिक व नैतिक मूल्यों से अवगत हो पाएंगे। इसके अतिरिक्त समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझेंगे।

CO2 इस घटक के माध्यम से विद्यार्थी नीति, मैत्री, दण्ड व्यवस्था आदि को जानेंगे।

CO3 संस्कृत भाषा में प्रवेश के लिए शब्दरूप तथा धातुरूप का ज्ञान होना महत्वपूर्ण है। इस घटक में छात्रों को दैनिक दिनचर्या में प्रयुक्त होने वाले सरल धातुरूपों से परिचित करवाया जाता है ।

CO4 भाषा में सन्धियों का प्रयोग होना स्वाभाविक है । इस घटक में सन्धियों का बोध करवाया जाता है जिससे विद्यार्थी भाषा को सरलता से समझ सकें। सन्धि पदों को पृथक् करके अर्थबोध करने का सामर्थ्य हासिल कर सकें। विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता को भी जान पाएंगे।

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	M	M	M
CO2	M	S	S
CO3	W	M	W
CO4	S	W	M

S= Strong M=Medium W=Weak

Sanskrit

वर्णोच्चारण- शिक्षा, संस्कृत चयनिका -पद्यभागं (1-10) च**(Semester I)**

Minor Course (MIC)

Course Code: C24MIC122T | **External Marks : 35**
30 Hrs. (2 Hrs./Week) | **Internal Marks : 15**
Credit : 2 | **Total Marks: 50**
Exam Time: 2 Hrs.

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 2 hours. The examiner is required to set five questions in all. The first question will be compulsory consisting of five short questions covering the entire syllabus consisting of 3 marks each. In addition to that four more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt three questions in all selecting one question from each unit consisting of 10 marks each in addition to compulsory Question No. 1.

उद्देश्य- इसका उद्देश्य छात्रों को संस्कृत वर्णमाला से परिचित करवाना तथा उनका वर्णोच्चारणशिक्षा के माध्यम से वर्णों के उच्चारण के बारे में ज्ञान प्रदान करना है। उसके माध्यम से छात्रों में भाषा का लेखन, वाचन आदि कौशल विकसित करना ताकि वे भाषा के प्रारंभिक मूलतत्त्वों समझ पाएं।

Unit – I

- संस्कृत-चयनिकापद्यभाग: 1-5 पाठ. ।
- संस्कृतचयनिकापद्यभाग: 6-10 पाठ।

Unit – II

- वर्णोच्चारणशिक्षा:- 1-4 प्रकरण।
- वर्णोच्चारणशिक्षा:- 5-8 प्रकरण।

Books Suggested:

1. संस्कृत चयनिका, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, प्रकाशन ।
2. वर्णोच्चारणशिक्षा, महर्षि दयानन्द सरस्वती, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली, 2011

Course Outcome:

At the end of the course the students would be able to:

CO1 संस्कृत चयनिका के अंतर्गत विभिन्न ग्रंथों से प्रासंगिक विषयों का पाठ ग्रहण कर छात्रों को वेद, उपनिषद्, रामायण , महाभारत, नीति एवं आचार शिक्षा से संबंधित विषयों का बोध करवाया जाताहै

CO2 इस घटक में महाभारत तथा नीति शास्त्र में उपयोगी विषय को लिया गया है। इसकी मनुष्य के दैनिक जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है । जिससे विद्यार्थी अपने जीवन को सही दिशा दे सकते हैं|

CO3 इस घटक में स्वर वव्यंजनों की संख्या, प्रकारएवम्उच्चारणस्थानपरविशेषबलदियागयाहै।संस्कृतभाषामेंवर्णोंकामहत्वपूर्णस्थानहै।जिससेविद्यार्थीअपनेवर्णकेउच्चारणकीशैली को सुधार कर भाषा कौशल को प्राप्त कर पाएंगे।

CO4 इस घटक में वर्णों के करणवप्रयत्न आदि का ज्ञान कर पाएंगे । इसके अतिरिक्त जिह्वामूलीय, उपध्मानीय, अनुनासिक, अनुस्वार आदि वर्णों के प्रायोगिक पक्ष को भी पढ़पाएंगे । 'सामान्य से विशेष की ओर' शिक्षण सूत्र का प्रयोग करते हुए अपने पुरानेज्ञान को नूतन ज्ञान के साथ जोड़ पाएंगे ।

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	S	M	S
CO2	M	W	S
CO3	M	M	W
CO4	S	S	M

S= Strong M=Medium W=Weak

Sanskrit

वर्णोच्चारण- शिक्षा, संस्कृत चयनिका -पद्यभागं (1-10) च**(Semester I)**

Minor Course (MIC)

Course Code: C24MIN122T **External Marks : 70**
60 Hrs. (4 Hrs./Week) **Internal Marks : 30**
Credit : 4 **Total Marks: 100**
Exam Time: 3 Hrs.

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 3 hours. The examiner is required to set nine questions in all. The first question will be compulsory consisting of seven short questions covering the entire syllabus consisting of 2 marks each. In addition to that eight more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt five questions in all selecting one question from each unit in addition to compulsory Question No. 1. All questions shall carry equal marks.

उद्देश्य- इसका उद्देश्य छात्रों को संस्कृत वर्णमाला से परिचित करवाना तथा उनका वर्णोच्चारणशिक्षा के माध्यम से वर्णों के उच्चारण के बारे में ज्ञान प्रदान करना है। उसके माध्यम से छात्रों में भाषा का लेखन, वाचन आदि कौशल विकसित करना ताकि वे भाषा के प्रारंभिक मूलतत्त्वों समझ पाएं।

Unit – I

संस्कृत-चयनिकापद्यभाग: 1-5 पाठ. ।

Unit – II

संस्कृत चयनिका पद्यभाग: 6-10 पाठ ।

Unit-III

वर्णोच्चारणशिक्षा :- 1-4 प्रकरण ।

Unit-IV

वर्णोच्चारणशिक्षा :- 5-8 प्रकरण ।

Books Suggested:

1.संस्कृत चयनिका, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, प्रकाशन।
2. वर्णोच्चारण शिक्षा, महर्षि दयानन्द सरस्वती, विजय कुमार गोविन्द राम हासा नन्द, दिल्ली, 2011 ।
3. पाणिनीय शिक्षा, व्याख्याकार:- रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।

Course Outcome:

At the end of the course the students would be able to:

CO1 संस्कृतच यनिका के अंतर्गत विभिन्न ग्रंथों से प्रासंगिक विषयों का पाठ ग्रहण क रछात्रों को वेद, उपनिषद्,रामायण , महाभारत, नीति एवं आचार शिक्षा से संबंधित विषयों का बोध कर वाया जाता है

CO2 इस घटक में महाभारत तथा नीति शास्त्र में उपयोगी विषय को लिया गया है । इसकी मनुष्य के दैनिक जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है । जिससे विद्यार्थी अपने जीवन को सही दिशा दे सकते हैं|

CO3 इस घटक में स्वर वव्यंजनों की संख्या, प्रकार एवम् उच्चारण स्थान पर विशेष बल दिया गया है । संस्कृत भाषा में वर्णों का महत्व पूर्ण स्थान है । जिस से विद्यार्थी अपने वर्ण के उच्चारण की शैली को सुधार कर भाषा कौशल को प्राप्त कर पाएंगे।

CO4 इस घटक में वर्णों के करण व प्रयत्न आदि का ज्ञान कर पाएंगे । इसके अतिरिक्त जिह्वामूलीय, उपध्मानीय, अनुनासिक, अनुस्वार आदि वर्णों के प्रायोगिक पक्ष को भी पढ़पाएंगे । 'सामान्य से विशेष की ओर' शिक्षण सूत्र का प्रयोग करते हुए अपने पुराने ज्ञान को नूतन ज्ञान के साथ जोड़ पाएंगे ।

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	S	M	S
CO2	M	W	S
CO3	M	M	W
CO4	S	S	M

S= Strong M=Medium W=Weak

Sanskrit

संस्कृतसाहित्ये राष्ट्रवादः, यज्ञप्रक्रियाया: वैज्ञानिकाधारश्च(SemesterI)

Multi-Disciplinary Course (MDC)

Course Code: C24MDC127T **External Marks : 50**
45 Hrs (3 Hrs/Week) **Internal Marks : 25**
Credit : 3 **Total Marks: 75**
Exam Time: 2.5 Hrs

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 2.5 hours. The examiner is required to set seven questions in all. The first question will be compulsory consisting of five short questions covering the entire syllabus consisting of 2.5 marks each. In addition to that six more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt four questions in all selecting one question from each unit in addition to compulsory Question No. 1. All questions shall carry equal marks i.e. 12.5 marks.

उद्देश्य- इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वैदिक ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक ज्ञान से भी अवगत कराना है । आधुनिक समय में पर्यावरण आदि की दृष्टि से पृथ्वी सूक्त को पढ़ाना तथा उसमें बताए गए विषयों को आधुनिकता से जोड़ना। यज्ञ को करने के लाभ तथा यह क्यों करें? इस विषय को वैज्ञानिक प्रामाणिकता के साथ प्रस्तुत करके विद्यार्थियों की वेद आदि शास्त्रों को पढ़ने में अभिरुचि उत्पन्न करना । भारतवर्ष से संबंधित राष्ट्रवाद तथा राष्ट्रगान आदि के बारे में विद्यार्थियों को बताना । छात्रों को वैदिक मंत्रों और उनके अनुप्रयोगों, वैदिक व्याकरण, सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन और साहित्यिक आलोचना के बारे में अवगत कराना । उन्हें संस्कृत साहित्य के माध्यम से राष्ट्र और राष्ट्रवाद से परिचित करवाना ताकि वह भविष्य में अच्छे व जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

Unit – I

- यज्ञ की व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा।
- यज्ञ के लाभ, यज्ञकुंड, यज्ञशाला, यज्ञपात्र एवं यज्ञ सामग्री ।

Unit – II

- वैदिक मन्त्रोच्चारण विधि-
- ईश्वरस्तुतिप्रार्थनोपासना मन्त्र । पर्यावरण शुद्धि ।
- यज्ञ सामग्री का पर्यावरण पर प्रभाव।

Unit - III

- भारतीय राष्ट्रवाद, अथर्ववेद :-

  (पृथिवी सूक्त)-1-30 मंत्र ।

  (क) दो मंत्रों की व्याख्या

  भारतवर्ष नामकरण (वैदिक और पौराणिक संदर्भ।

  (क) राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय चिह्न, शक संवत्, विक्रम संवत ।

Books Suggested:

1. संस्कार विधि, स्वामी दयानंद, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट ।
2. सत्यार्थ प्रकाश, स्वामी दयानंद, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, 2010 ।
3.यज्ञ विमर्श, एक वैज्ञानिक अध्ययन, डॉ रामप्रकाश, सत्यार्थ प्रकाशन न्यास, कुरुक्षेत्र ।
4 रचनानुवाद कौमुदी कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।

Course Outcome:

At the end of the course the students would be able to:

CO1 वैदिक संस्कृति, यज्ञपरक संस्कृति हैs । इस घटक के अंतर्गत यज्ञ शब्द का अर्थ, लाभ, सामग्री आदि के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बताकर उनके प्राकृतिक लाभ भी बताए जाएंगे । इस विषय में ज्ञान होनाआवश्यक है ।

CO2 इस घटक में यज्ञ की प्रक्रिया, ईश्वर- स्तुति, प्रार्थना एवम् उपासना आदि मंत्रों के द्वारा आदर्श भारतीय पुरातन यज्ञ पद्धति का वर्णन किया गया है । वर्तमान समय में उसकी क्या प्रासंगिकता है, इस विषय में भी छात्रों को अवगत करवाया जाएगा ।

CO3 संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद के विषय में बहुत से उद्धरण मिलते हैं । अथर्ववेद में 'पृथिवी सूक्त 'रूप से कहा जाने वाला सूक्त मातृभूमि की विशेषताओं के बारे में वर्णन करता है । यह राष्ट्रवाद का एक सुंदर उदाहरण है उसके माध्यम से विद्यार्थी राष्ट्रीय भावना के प्रति प्रेरित हो पाएंगे।

CO4 इस घटक के अंतर्गतमहत्वपूर्ण विषय यथा भारतवर्ष का नामकरण, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रगान, शकसंवत् आदि विषयों के बारे में विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त कर

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	M	M	M
CO2	S	W	S
CO3	W	M	M
CO4	S	S	M

S= Strong M=Medium W=Weak

Sanskrit
संस्कृतसम्भाषणम् (Semester I)
Skill Enhancement Course (SEC)

Course Code: C24SEC121T	**External Marks : 50**
45 Hrs (3 Hrs/Week)	**Internal Marks : 25**
Credit : 3	**Total Marks: 75**
Exam Time: 2.5 Hrs	

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 2.5 hours. The examiner is required to set seven questions in all. The first question will be compulsory consisting of five short questions covering the entire syllabus consisting of 2.5 marks each. In addition to that six more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt four questions in all selecting one question from each unit in addition to compulsory Question No. 1. All questions shall carry equal marks i.e. 12.5 marks.

उद्देश्य:- संस्कृत संभाषण कला विकसित करना। प्रारंभिक संस्कृत के मूलभूत जैसे शब्द रूप धातु रूप तथा अन्य विषयों से विद्यार्थियों को परिचित करवाना । छात्रों को संस्कृत भाषा में वाक्य निर्माण सिखाना जिससे वे संस्कृत भाषा में अनुवाद करने में सक्षम हो पाएं।

Unit – I

- संस्कृतव्यवहारसाहस्री :- 1-13 पाठ

Unit – II

- 'संस्कृतं वदतु' पुस्तकाधारित सम्भाषणाभ्यास एवं वाक्य संरचना ।

Unit - III

- संस्कृतव्याकरण :

(क) शब्दरूप: राम, लता, कवि, भानु, पितृ, अस्मद्, युष्मद्, राजन्, तद् (तीनों लिङ्गों में) ।
(ख) धातुरूप: भू, हस्, नम्, गम्, अस्, हन्, कृ, नी, याच्, दृश्, स्था (केवललट्, लोट्, लङ, विधिलिङ् तथा लृट् लकारों में)

Unit - IV

- कारकएवंविभक्ति - सामान्यपरिचय

(क)हिन्दीसेसंस्कृतमेंअनुवाद।
(ख)एकव्याख्यात्मकप्रश्न।

Books Suggested:

1. रचनानुवाद कौमुदी कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
2. संस्कृतंवदतु, संस्कृतभारती, झंडेवालन, नईदिल्ली।
3. संस्कृत व्यवहार साहस्री, संस्कृतभारती, झंडेवालान, दिल्ली, 2023।
4. रूपचंद्रिका, सं.ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुर भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2016 ।

Course Outcome:

At the end of the course the students would be able to:

CO1 किसी भी भाषा को सीखने में अनेक स्तर होते हैं यथा श्रवणादि । अन्य भाषाओं की तरह संस्कृत भाषा में बोलने के लिए लघु – लघु वाक्यों का सहारा लेकर अभ्यास किया जाता है । इस घटक में द्वारा संस्कृत भाषा में प्रवेश करवाया जाता है।

CO2 इस घटक के माध्यम से छात्रों के मुख में संस्कृत का वास करवाया जाता है, ताकि लघु-लघु वाक्य तथा धन्यवाद आदि शब्दों के माध्यम से संस्कृत में वार्तालाप करने में सक्षम हो सकें।

CO3 संस्कृत भाषा में प्रवेश के लिए शब्द रूप तथा धातुरूप का ज्ञान होना महत्वपूर्ण है । इस घटक में छात्रों को दैनिक दिनचर्या में प्रयुक्त होने वाले सरल शब्द व धातु रूपों से परिचित करवाया जाता है ।

CO4 भाषा को सिखाने में कारक प्रकरण मे रुदंड का कार्य करता है इसलिए कारकों का ज्ञान होना बहुत ही आवश्यक है । अतः इस घटक में कर्ता आदि कारकों को वाक्यों में किस तरीके से प्रयुक्त किया जाए तथा विभक्ति का भी ज्ञान करवाया जाता है ।

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	M	M	M
CO2	S	W	S
CO3	W	M	M
CO4	S	S	M

S= Strong M=Medium W=Weak

Sanskrit
प्रारंभिकसंस्कृतभाषाज्ञानम् (Semester I/II)
Value Added Course (VAC)

Course Code: C24VAC120T **External Marks : 35**
30 Hrs. (2 Hrs./Week) **Internal Marks : 15**
Credit : 2 **Total Marks: 50**
Exam Time: 2 Hrs.

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 2 hours. The examiner is required to set five questions in all. The first question will be compulsory consisting of five short questions covering the entire syllabus consisting of 3 marks each. In addition to that four more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt three questions in all selecting one question from each unit consisting of 10 marks each in addition to compulsory Question No. 1.

उद्देश्य:- 1.संस्कृत साहित्य सूचना का भंडार है । प्रस्तुत कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत भाषा सीखना तथा उसके मूलभूत तत्त्व वर्णमाला, वर्णों का उच्चारण स्थान, लिंग, पुरुष, वचन तथा संधि आदि से अवगत कराना।
2. विद्यार्थियों में संस्कृत से हिंदी तथा हिंदी से संस्कृत में अनुवाद करने की क्षमता विकसित करना ताकि वे संस्कृत भाषा को अन्य भारतीय भाषाओं के साथ समझ सकें ।3. इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों का संस्कृत भाषा का प्रारंभिक ज्ञान प्रदान करना है जिससे वे संस्कृत संभाषण कर सकें ।

Unit – I

प्रत्याहार-सूत्र, वर्णों का उच्चारण-स्थान
वचन, लिङ्ग एवं पुरुष
(क) प्रत्याहार सूत्र व उच्चारण-स्थान
(ख) वचन, लिङ्ग एवं पुरुष
सन्धि परिचय (अच्, हल् एवं विसर्ग)
(यण, दीर्घ, गुण, वृद्धि, जश्त्व, विसर्जनीयस्य सः)
(क) सन्धि
(ख) सन्धिविच्छेद

Unit – II

संस्कृत व्याकरण :
(क) शब्दरूप: राम, लता, फल, मुनि, साधु, मातृ, तद्, अस्मद्, युष्मद् ।
(ख) धातुरूप: भू, अस्, कृ, गम्, दृश्, स्था, स्पृश् (केवललट्, लङ्, लृट्लकारों में) ।
कारक-विभक्ति का सामान्य परिचय
वाक्यों में रेखांकित पदों में कारक-विभक्ति का प्रतिपादन
हिंदी व संस्कृत में अनुवाद

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराजाचार्यकृत, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
3. वर्णोच्चारणशिक्षा, स्वामी दयानन्दकृत व्याख्यासहिता, वैदिकयन्त्रालय, अजमेर ।
4. रूपचंद्रिका, सं.ब्रह्मानन्द त्रिपाठी,चौखम्बासुर भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2016
5. संस्कृतं वदतु, दिल्ली संस्कृत अकादमी, झण्डेवालान ।

Course Learning Outcomes (CLO)

After completing this course student will be able to:

CO1 संस्कृत भाषा के आधारभूत तत्व वर्णमाला वर्णों का उच्चारण स्थान वचन लिंग एवं पुरुष का ज्ञान किस घटक के द्वारा कराया जाएगा । विद्यार्थी संस्कृत भाषा की संरचना को समझ पाएंगे।

CO2 संस्कृत भाषा के स्वरूप ज्ञान के हेतु संधि का ज्ञान अति आवश्यक है इससे विद्यार्थी दो या दो से अधिक पदों को जोड़ पाएंगे।

CO3 इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों का संस्कृत भाषा का प्रारंभिक ज्ञान प्रदान करना तथा उन्हें शब्द रूप एवं धातु रूप से परिचित करवाना है । इसके अंतर्गत वाक्य में शब्द व धातुरूपों से वाक्यनिर्माण बताते हुए वाक्यबोध कराने का प्रयास किया जाएगा

CO4 हिंदी से संस्कृत में अनुवाद करते समय कारकों का ज्ञान होना अति आवश्यक है इसलिए विद्यार्थियों को कारक एवं उपपद विभक्ति काअवबोध करवाया जाएगासंस्कृत से हिंदी या अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद करना सीख पाएंगे।

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	M	M	M
CO2	S	W	S
CO3	W	M	M
CO4	S	S	M

S= Strong M=Medium W=Weak

Sanskrit

संस्कृतचयनिकागद्यभाग 1-18 **(Semester II)**

Discipline Specific Course (DSC)

Course Code: C24SKT201T — **External Marks : 70**

60 Hrs. (4 Hrs./Week) — **Internal Marks : 30**

Credit : 4 — **Total Marks: 100**

Exam Time: 3 Hrs.

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 3 hours. The examiner is required to set nine questions in all. The first question will be compulsory consisting of seven short questions covering the entire syllabus consisting of 2 marks each. In addition to that eight more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt five questions in all selecting one question from each unit in addition to compulsory Question No. 1. All questions shall carry equal marks.

उद्देश्य:- संस्कृत चयनिका में वेद, उपनिषद्, पंचतन्त्र तथा हितोपदेश के महत्त्वपूर्ण विषयों का संग्रह किया गया है | इसके माध्यम से विद्यार्थी वेद एवं उपनिषद्में वर्णित विषयों से परिचित होंगे | पंचतंत्र, हितोपदेश आदि की कथाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुशासन, सदाचार तथा नीति सम्बद्ध विषयों से अवगत करवाया जाएगा, जिससे वे अपने व्यक्तित्त्व का विकास कर पाऐंगे |

Unit – I

संस्कृत चयनिका

(क)गद्यभाग : 1 – 9 पाठ

(ख) पाठों का सार

Unit – II

संस्कृत चयनिका

(क)गद्यभाग : 10 – 18 पाठ

(ख)पाठों का सार

Unit - III

संस्कृत व्याकरण

(क) शब्दरूप : राजन्, लता, नदी, अस्मद्, युष्मद्, सर्व, तद्, इदम् (तीनों लिंगों में) |

(ख) धातुरूप :गम्, वद्, अस्, कृ , श्रु, चुर् |

(केवल लट् लकार,लोट् लकार, लङ् लकार,विधिलिङ्,लट्ृ लकार)

Unit – IV

(क) स्वरसंधि, व्यंजनसंधि एवं विसर्ग संधि |

(ख) कारक तथा उपपद विभक्तियों पर आधारित अनुवाद।
(प्रश्नपत्र में पूछे गए श्लोकों से भिन्न)

Books Suggested:

1. संस्कृत चयनिका, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।
2. रुपचंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, दिल्ली।

3 रचनानुवाद कौमुदी कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।

Course Outcome:

At the end of the course, the students would be able to:

CO1 इस घटक के अन्तर्गत अनुशासन,सदाचारतथा रामायण केबारे में जानेंगे ।

CO2 इस घटक में छात्र पंचतंत्र, हितोपदेश की कथाओं के माध्यम से राजनीतिव सामाजिकता का बोध करेंगे । जिससे विद्यार्थी अपने जीवन को सही दिशा देकर दूसरों को भी प्रेरित कर पाएंगे ।

CO3 संस्कृत भाषा में शब्द रूप व धातुरूप प्राणभूत है । इनके बिना वाक्य निर्माण भी संभव नहीं है इसलिए सामान्य रूप से अनुवाद का बोध कराने के लिए भाषा की सरल व प्रारंभिक रूपरेखा को समझने के लिए इस घटक का होना आवश्यक है।

CO4 संस्कृत भाषा में प्रवेश करने के लिए सन्धियों का ज्ञान होना अतिआवश्यक है । अतः इस घटक के अन्तर्गत छात्रों को संधि, कारक तथा उपपद विभक्तियों का ज्ञान दिया जाता है । वाक्य निर्माण के ये आधारभूत तत्त्व हैं ।

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	S	M	M
CO2	M	S	S
CO3	W	M	S
CO4	S	W	M

S= Strong M=Medium W=Weak

Sanskrit

वर्णोच्चारण- शिक्षा, संस्कृत चयनिका - गद्यभाग(1-10) च(Semester II)

Minor Course (MIC)

Course Code: C24MIC222T | **External Marks : 35**
30 Hrs. (2 Hrs./Week) | **Internal Marks : 15**
Credit : 2 | **Total Marks: 50**
Exam Time: 2 Hrs.

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 2 hours. The examiner is required to set five questions in all. The first question will be compulsory consisting of five short questions covering the entire syllabus consisting of 3 marks each. In addition to that four more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt three questions in all selecting one question from each unit consisting of 10 marks each in addition to compulsory Question No. 1.

उद्देश्य - इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों का संस्कृत भाषा का प्रारंभिक ज्ञान प्रदान करना तथा उन्हें शब्द रूप एवं धातु रूप से परिचित करवाना है। इसके अंतर्गत वाक्य में शब्द व धातुरूपों से वाक्यनिर्माण बताते हुए वाक्यबोध कराने का प्रयास किया जाएगा । संस्कृत चयनिका के अंतर्गत आने वाले पाठों के माध्यम से पंचतंत्र, हितोपदेश एवं नीति शास्त्र आदि से परिचित करवाया जाएगा जिससे छात्र अपने सामाजिक जीवन को प्रसन्नता से जी पाएंगे । इसके साथ-साथ में नैतिक मूल्यों से भी परिचित करवाया जाएगा ।

Unit – I

- संस्कृत-चयनिका, गद्यभाग : 1-5 पाठ.
  संस्कृत-चयनिका (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन): गद्यभाग : 6-10 पाठ.

Unit – II

- संस्कृतव्याकरण :
  (क) शब्दरूप: राम, लता, फल, मुनि, साधु, मातृ, तद्, अस्मद्, युष्मद्।
  (ख) धातुरूप: भू, अस्, कृ, गम्, दृश्, स्था, स्पृश् (केवल लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, लृट्लकारों में) ।
  (क) स्वर संधि ।
  (ख) श्रीमद्भगवद्गीता से कण्ठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेखन (प्रश्न पत्र में पूछे गए श्लोक से भिन्न) ।

Books Suggested:

संस्कृत चयनिका,कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, प्रकाशन।
रूपचंद्रिका, सं.ब्रह्मानन्द त्रिपाठी,चौखम्बासुर भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2016

Course Outcome:
At the end of the course the students would be able to:

CO1 संस्कृत चयनिका के अंतर्गत विभिन्न ग्रंथों से प्रासंगिक विषयों का पाठ ग्रहण कर छात्रों को वेद, उपनिषद्, रामायण, महाभारत, नीति एवं आचार शिक्षा से संबंधित विषयों का बोध करवाया जाता है।इस विषय में ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है ।

CO2 इस घटक में पंचतंत्र, हितोपदेश तथा नीतिशास्त्र में उपयोगी विषयों को लिया गया है । पशु, पक्षियों की कथाओं के माध्यम से मनुष्य के दैनिक जीवन में व्यवहारोपयोगी विषयों पर बल दिया गया है ।

CO3 इस घटक में शब्द रूप व धातुरूपों का बोध करवाया जाता है

CO4 इस घटक में स्वर संधि तथा श्लोक का शुद्ध लेखन करना सिखाया जाता है ।

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	S	M	S
CO2	M	W	S
CO3	M	M	W
CO4	S	S	M

S= Strong M=Medium W=Weak

Sanskrit
वर्णोच्चारण- शिक्षा, संस्कृतचयनिका -गद्यभाग(1-10) च**(Semester II)**
Minor Course (MIC)

Course Code: C24MIN222T | **External Marks : 70**
60 Hrs. (4 Hrs./Week) | **Internal Marks : 30**
Credit : 4 | **Total Marks: 100**
Exam Time: 3 Hrs.

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 3 hours. The examiner is required to set nine questions in all. The first question will be compulsory consisting of seven short questions covering the entire syllabus consisting of 2 marks each. In addition to that eight more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt five questions in all selecting one question from each unit in addition to compulsory Question No. 1. All questions shall carry equal marks.

उद्देश्य - इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों का संस्कृत भाषा का प्रारंभिक ज्ञान प्रदान करना तथा उन्हें शब्द रूप एवं धातु रूप से परिचित करवाना है । इसके अंतर्गत वाक्य में शब्द व धातुरूपों से वाक्यनिर्माण बताते हुए वाक्यबोध कराने का प्रयास किया जाएगा । संस्कृत चयनिका के अंतर्गत आने वाले पाठों के माध्यम से पंचतंत्र, हितोपदेश एवं नीति शास्त्र आदि से परिचित करवाया जाएगा जिससे छात्र अपने सामाजिक जीवन को प्रसन्नता से जी पाएंगे । इसके साथ-साथ में नैतिक मूल्यों से भी परिचित करवाया जाएगा ।

Unit – I

संस्कृत-चयनिका, गद्यभाग : 1-5 पाठ.

Unit – II

संस्कृत-चयनिका (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन): गद्यभाग : 6-10 पाठ.

Unit – III

संस्कृतव्याकरण :
(क) शब्दरूप: राम,लता, फल, मुनि, साधु, मातृ, तद्, अस्मद्, युष्मद् ।
(ख) धातुरूप: भू,अस्, कृ, गम्, दृश्, स्था, स्पृश् (केवल लट्, लोट्, लङ्, विधि लिङ्, लृट्लकारों में) ।

Unit – IV

(क) स्वरसंधि, व्यंजन संधि एवं विसर्ग संधि ।
(ख) श्रीमद्भगवद्गीता से कण्ठस्थ दो श्लोकों का शुद्ध लेख न (प्रश्न पत्र में पूछे गए श्लोक से भिन्न) ।

Books Suggested:
1. संस्कृत चयनिका,कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, प्रकाशन।
2. रूपचंद्रिका, सं.ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बासुर भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2016
3. रचनानुवाद कौमुदी कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।

Course Outcome:
At the end of the course the students would be able to:

CO1 संस्कृत चयनिका के अंतर्गत विभिन्न ग्रंथों से प्रासंगिक विषयों का पाठ ग्रहण कर छात्रों को वेद, उपनिषद्, रामायण, महाभारत, नीति एवं आचार शिक्षा से संबंधित विषयों का बोध करवाया जाता है । इस विषय में ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है ।
CO2 इस घटक में पंचतंत्र, हितोपदेश तथा नीति शास्त्र में उपयोगी विषयों को लिया गया है । पशु, पक्षियों की कथाओं के माध्यम से मनुष्य के दैनिक जीवन में व्यवहारोपयोगी विषयों पर बल दिया गया है।
CO3 इस घटक में शब्दरूपव धातुरूपों का बोध करवाया जाता है
CO4 इस घटक में स्वर संधि तथा श्लोक का शुद्ध लेखन करना सिखाया जाता है ।

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	S	M	S
CO2	M	W	S
CO3	M	M	W
CO4	S	S	M

S= Strong M=Medium W=Weak

Sanskrit
योगायुर्वेदश्च (Semester II)
Multi-Disciplinary Course (MDC)

Course Code: C24MDC227T | **External Marks : 50**
45 Hrs (3 Hrs/Week) | **Internal Marks : 25**
Credit : 3 | **Total Marks: 75**
Exam Time: 2.5 Hrs

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 2.5 hours. The examiner is required to set seven questions in all. The first question will be compulsory consisting of five short questions covering the entire syllabus consisting of 2.5 marks each. In addition to that six more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt four questions in all selecting one question from each unit in addition to compulsory Question No. 1. All questions shall carry equal marks i.e. 12.5 marks.

उद्देश्य:-वर्तमान समय में आयुर्वेद का अत्यधिक प्रचलन है । आयुर्वेद के माध्यम से जीवन जीने की कला से इस घटक में परिचित करवाया जाएगा, जिससे विद्यार्थी न केवल स्वयम्, अपितु समाज को भी स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के प्रति जागृत कर पाएंगे । मनुष्य के विभिन्न स्थानों पर निर्दिष्ट चक्रों का परिचय । उसके अतिरिक्त ध्यान की विधि तथा स्वरूप से छात्रों को अवगत करवाया जाएगा । मानव के व्यक्तित्व विकास में विशेष योगदान है। पंचकोशों के स्वरूप एवं उनकी विकास प्रक्रिया का बोध करवाया जाएगा।

Unit – I

योगासन:-
(क) पतंजलि अष्टांगयोग का सामान्य परिचय।
(ख) पद्मासन, ताड़ासन, धनुरासन, गोमुखासन, कूर्मासन, मत्स्येंद्रासन, मयूरासन, शवासनयोगासनों का महत्व।

Unit – II

(क) चक्रएवंध्यान।
(ख) पंचकोश।

Unit - III

(क) आयुर्वेद परिचय, आयुर्वेद के प्रमुख ग्रंथ एवं ग्रंथकार । आयुर्वेद के मौलिक सिद्धांत ।
(ख)आयुर्वेदिक रोग विज्ञान, आयुर्वेदिक वनस्पति और औषधि ।
चरक संहिता स्वस्थवृत्तम्:- सूत्रस्थान 5/71-104,7/26-35,8/17-29 ।
(क) दो सूत्रों की व्याख्या- अथवा निबन्धात्मक प्रश्न ।

Books Suggested:

1. पातञ्जलयोग सूत्रम्, महर्षिपतंजलि, व्या. सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, चौखंबासुर भरती प्रकाशन, 2012।
2. चरक संहिता, व्याख्याकार, आचार्य विद्याधर शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
3. आयुर्वेद परिचय एवं आधारभूत सिद्धांत, डॉ सुषमा राणा, डॉसुनीता, डॉआशुतोषकुमार, विद्यालय प्रशासन दिल्ली, 2017
4. तैत्तिरीयोपनिषद्, ईशादि नौ उपनिषद्,गीताप्रेस, गोरखपुर, 2022 ।
5. हठयोग प्रदीपिका, व्याख्याकार अजय कुमार उत्तम, भारतीय विद्यासंस्थान, वाराणसी जाबालदर्शनोपनिषद, संपादक श्रीराम शर्मा, युग निर्माण योजना प्रैस, मथुरा ।
6. तैत्तिरीयोपनिषद, (द्वितीयवल्ली) शांकर भाष्य गीता प्रेस, गोरखपुर ।
7. योगासन और योगसाधना, डा० सत्यपाल, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी ।

Course Outcome:
At the end of the course the students would be able to:

CO1 मनुष्य के जीवन में योग का अत्यधिक महत्व है । इस घटक में सर्वजन के लिए योग की प्रक्रिया व महत्व से छात्रों को अवगत कर वाया जाएगा।

CO2 इस घटक के माध्यम से मनुष्य के विभिन्न स्थानों पर निर्दिष्टचक्रों का परिचय । उसके अतिरिक्त ध्यान की विधि तथा स्वरूप से छात्रों को अवगत करवाया जाएगा । मानव के व्यक्तित्व विकास में पंचकोशों का विशेष महत्व है । इस बिंदु के अंतर्गत पंच कोशों के स्वरूप एवं उनकी विकास प्रक्रिया का बोध करवाया जाएगा ।

CO3 इस घटक के अंतर्गत आयुर्वेद का परिचय, आयुर्वेद सम्बद्ध ग्रंथ व ग्रंथ कारका परिचय, आचार्य परंपरा, आयुर्वेदिक वनस्पति आदि विषयों के बारे में वर्णन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थी आयु र्वेदिक पद्धति से परिचित होंगे तथा अपने जीवन में उसको अपनापाएंगे।

CO4 वर्तमान समय में आयुर्वेद का अत्यधिक प्रचलन है । आयुर्वेद के माध्यम से जीवन जीने की कला से इस घटक में परिचित करवा याजाएगा, जिससे विद्यार्थीन के वलस्वयम्, अपितु समाज को भी स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागृत कर पाएंगे ।

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	M	M	M
CO2	S	W	S
CO3	W	M	M
CO4	S	S	M

S= Strong M=Medium W=Weak

Sanskrit
प्रयोगात्मकं संस्कृतम्(Semester II)
Skill Enhancement Course (SEC)

Course Code: C24SEC221T | **External Marks : 50**
45 Hrs. (3 Hrs./Week) | **Internal Marks : 25**
Credit : 3 | **Total Marks: 75**
Exam Time: 2.5 Hrs.

Note: The maximum time duration for attempting the paper will be of 2.5 hours. The examiner is required to set seven questions in all. The first question will be compulsory consisting of five short questions covering the entire syllabus consisting of 2.5 marks each. In addition to that six more questions will be set, two questions from each unit. The students shall be required to attempt four questions in all selecting one question from each unit in addition to compulsory Question No. 1. All questions shall carry equal marks i.e. 12.5 marks.

उद्देश्य:- इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत भाषा सिखाना, जिससे वे आपस में संस्कृत में बातचीत कर पाएं । विभिन्न संस्थानों में प्रयुक्त शास्त्र के वाक्य जैसे 'सत्यमेव जयते'आदि वाक्य के बारे में बताया जाएगा । इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को संधि निर्माण भी सिखाया जाएगा जिससे विद्यार्थी दो पदों को आपस में जोड़ने का सामर्थ्य प्राप्त कर पाएंगे।

Unit – I

संस्कृतव्यवहारसाहस्री :- 14-27 पाठ

Unit – II

(क) फलशाकादिनामानि ।
(ख) संस्कृत भाषा का उद्भव एवं विकास । संस्कृत भाषा का महत्व ।

Unit - III

संस्कृत आदर्श वाक्य।
(क) (राज्य एवं राष्ट्रीय संस्थानों के आदर्श वाक्य।
(ख) संस्कृत के कोई दो सुभाषित श्लोक कंठस्थ
सन्धि: - अच् सन्धि, हल् सन्धि एवं विसर्ग सन्धि ।

Books Suggested:

1. रचनानुवाद कौमुदी कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।
2. संस्कृतव्यवहारसाहस्री, संस्कृत भारती, दिल्ली, 2023 ।
3. संस्कृतस्य वर्चस्वम्, प्रो. निगम स्वरूप आचार्य, महान प्रिंटर्स, नाभा गेट संगरूर, पंजाब (ध्येय वाक्य हेतु) ।
4. संस्कृतं वदतु, संस्कृत भारती, दिल्ली ।

Course Outcome:

At the end of the course the students would be able to:

CO1 संस्कृत व्यवहारसाहस्री पुस्तक में मनुष्य के दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाले व्यवहार को संस्कृत भाषा के माध्यम से संप्रेषित करने का कौशल विकसित किया जाता है । स्वास्थ्य, कार्यालय, गृहसंभाषण, अतिथि एवं पारस्परिक व्यवहार के विषयों को आधार बनाकर संस्कृत वाक्य की रचना करने तथा संस्कृत बोलने का कौशल विकसित किया जाता है।

CO2 इस घटक के माध्यम से छात्रों को फल और सब्जियों के संस्कृत नाम से परिचित करवाया जाएगा तथा संस्कृत भाषा के विकासक्रम तथा महत्व के बारे में भी बताया जाएगा ।

CO3 इस घटक के माध्यम से विद्यार्थी राज्य एवं राष्ट्रीय संस्थानों से प्रयुक्त आदर्श वाक्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे । इसकी अतिरिक्त ये वाक्य कहां से उद्धृत हैं इसके विषय में भी ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे ।

CO4 इस घटक में सन्धियों का बोध करवाया जाता है जिससे विद्यार्थी भाषा को सरलता से समझ सकें। सन्धि पदों को पृथक् करके अर्थबोध करने का सामर्थ्य हासिल कर सकें।

Mapping of CO with PO

Outcomes	PO1	PO2	PO3
CO1	M	M	M
CO2	S	W	S
CO3	W	M	M
CO4	S	S	M

S= Strong M=Medium W=Weak